कान्हा कान्हा करती

कान्हा कान्हा करती राधा घूम रही बरसाने में
सोरीं सोरीं राधा प्यारी देर हो गई आने में
कान्हा कान्हा करती ....

साची साची बोलो कान्हा कौन मेरे से प्यारा था
सीर सागर में हर नंदी का भात भरन मैं जा रेहा सा
हर नंदी ने बिठा लिया यु देर हो गई आने में
सोरीं सोरीं राधा प्यारी देर हो गई आने में

साची साची बोलो कान्हा कौन मेरे से प्यारा था
द्रोपती की लाज बचाई चीर बडावन जा रहा था
द्रोपती ने बिठा लिया न्यू देर हो गई आने में
कान्हा कान्हा करती ....

साची साची बोलो कान्हा कौन मेरे से प्यारा था
सुदामा की झोपडी का मेहल बना नजारा था
सुदामा ने बिठा लिया न्यू देर हो गई आने में
सोरीं सोरीं राधा प्यारी देर हो गई आने में

Source: https://www.bharattemples.com/kanha-kanha-karti-karti/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw